केंद्र ने खोपरा के लिए MSP में की वृद्धि: 2026 में नारियल किसानों के लिए बेहतर आय सुनिश्चित

UPSC प्रासंगिकता

- **GS III (कृषि और अर्थव्यवस्था): न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP), मूल्य नीति, किसान कल्याण योजनाएँ, कृषि विपणन।**
- **GS II (सरकारी नीतियाँ): PM-AASHA, CACP, CCEA, ग्रामीण आजीविका।**

खबर में क्यों?

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने हाल ही में **2026 विपणन सत्र** के लिए खोपरा (Copra) के **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** में वृद्धि को मंजूरी दी है। इस कदम का उद्देश्य नारियल किसानों को **आश्वासित आय** प्रदान करना, कृषि राजस्व को स्थिर करना और भारत में सतत नारियल की खेती को प्रोत्साहित करना है।

खोपरा और नारियल अर्थव्यवस्था के बारे में

- **परिभाषा:** खोपरा (Copra) परिपक्व नारियल के अंदर के सफेद गूदे को सुखाकर प्राप्त किया जाने वाला **सूखा गिरी** (dried kernel) है।
- **उपयोग:** यह नारियल तेल उत्पादन के लिए **प्राथमिक कच्चा माल** है, जो घरेलू खपत और निर्यात दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण उत्पाद है।
- **खोपरा के प्रकार:**
  - **मिलिंग खोपरा (Milling copra):** इसका उपयोग तेल मिलों द्वारा व्यावसायिक तेल निष्कर्षण के लिए किया जाता है।
  - **बॉल खोपरा (Ball copra):** इसे सघन गेंदों (compact balls) के रूप में दबाया जाता है, जो घरेलू स्तर पर बेची या निर्यात की जाती हैं।
- **भारत के लिए महत्व:**
  - भारत वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े नारियल उत्पादकों में से एक है। मुख्य उत्पादक राज्य: केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गोवा।
  - यह क्षेत्र लाखों किसानों और श्रमिकों को समर्थन देता है।
  - नारियल तेल और कॉयर (coir) जैसे खोपरा-आधारित उत्पाद ग्रामीण आजीविका और निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

खोपरा के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP): 2026 विपणन सत्र

खोपरा का प्रकार	2026 के लिए MSP (प्रति क्विंटल)	MSP में वृद्धि
मिलिंग खोपरा	12,027	445
बॉल खोपरा	12,500	400

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) क्या है?

- **परिभाषा:** MSP वह मूल्य है जिस पर सरकार किसानों से सीधे फसल की खरीद करती है, जिससे **आश्वासित आय** सुनिश्चित होती है और किसानों को बाजार की अस्थिरता से सुरक्षा मिलती है।
- **निर्धारण:** इसकी सिफारिश **कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP)** – (स्थापना: 1965, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत) – द्वारा की जाती है और प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली **आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA)** द्वारा इसे अनुमोदित किया जाता है।[6]
- **विचारे गए मानदंड:**
  - उत्पादन की लागत
  - मांग-आपूर्ति गतिशीलता
  - बाजार मूल्य के रुझान
  - फसलों के बीच मूल्य समानता (Inter-crop price parity)
  - कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों के बीच व्यापार की शर्तें
- **लाभ मार्जिन:** 2018-19 से, MSP को **उत्पादन लागत का 1.5 गुना** निर्धारित किया जाता है, जिससे किसानों के लिए न्यूनतम **50% लाभ मार्जिन** सुनिश्चित होता है।

IAS-PCS Institute

शामिल फसलें और खरीद तंत्र

- **फसलें:** MSP की घोषणा 22 **अधिदेशित फसलों** (14 खरीफ, 6 रबी, 2 वाणिज्यिक फसलें) और गन्ने के लिए **उचित एवं लाभकारी मूल्य (FRP)** के लिए की जाती है।
- **खरीद तंत्र:**
  - **अनाज और मोटे अनाज:** भारतीय खाद्य निगम (FCI) और राज्य एजेंसियों द्वारा खरीद।
  - **दलहन, तिलहन, खोपरा:** PM-AASHA की **मूल्य समर्थन योजना (PSS)** के तहत **NAFED** और **NCCF** के माध्यम से खरीद।
  - **कपास और जूट:** भारतीय कपास निगम (CCI) और भारतीय जूट निगम (JCI) के माध्यम से खरीद।
- **विशेष नोट:** जूट और कपास के लिए कोई अधिकतम खरीद सीमा नहीं है।

@resultmitra.com 9235313184, 9235440806

खोपरा की खेती में चुनौतियाँ

1. **मूल्य अस्थिरता:** बाजार की मांग, मानसून की परिवर्तनशीलता और गुणवत्ता के अंतर के कारण नारियल और खोपरा की कीमतों में उतार-चढ़ाव होता रहता है।
2. **जलवायु जोखिम:** सूखा, चक्रवात और अनियमित वर्षा नारियल की उपज और खोपरा उत्पादन को प्रभावित करते हैं।
3. **छोटे किसान:** अधिकांश किसानों की प्रौद्योगिकी, ऋण और आधुनिक प्रसंस्करण सुविधाओं तक सीमित पहुँच है।
4. **आपूर्ति श्रृंखला में अक्षमताएँ:** खराब भंडारण और मशीनीकृत प्रसंस्करण के कारण **फसल कटाई के बाद नुकसान** होता है।

5. **सीमित जागरूकता:** किसानों को कभी-कभी MSP खरीद प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं होती, जिससे आय का नुकसान होता है।

आगे की राह (Way Forward)

- **आधुनिक प्रसंस्करण:** खोपरा के लिए मशीनीकृत सुखाने (drying), मिलिंग (milling) और गुणवत्ता सुधार को बढ़ावा देना।
- **बाजार संबंधों को मजबूत करना:** सहकारी समितियों, ई-बाजारों और सीधी खरीद चैनलों का विस्तार करना।
- **मूल्य संवर्धन में विविधता लाना:** वर्जिन नारियल तेल, कॉयर और जैव-उत्पादों जैसे नारियल-आधारित उत्पादों को प्रोत्साहित करना।
- **जलवायु लचीलापन:** सूखा-प्रतिरोधी नारियल किस्मों को पेश करना और सिंचाई प्रबंधन में सुधार करना।
- **संस्थागत समर्थन:** छोटे किसानों के लिए **समय पर MSP खरीद**, बीमा कवरेज और वित्तीय सहायता सुनिश्चित करना।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. भारत में **कोपरा (Copra)** के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कोपरा का MSP केवल कृषि मंत्रालय द्वारा निर्धारित किया जाता है।
2. आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) MSP को अंतिम स्वीकृति देती है।
3. वर्ष 2018–19 से MSP उत्पादन लागत का 1.5 गुना निर्धारित किया जा रहा है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B. केवल 2 और 3

प्रश्न 2. पीएम-आशा (PM-AASHA) की **मूल्य समर्थन योजना (PSS)** के अंतर्गत कोपरा की खरीद में निम्नलिखित में से कौन-सी एजेंसियाँ शामिल हैं?

A. भारतीय खाद्य निगम (FCI)
B. नैफेड (NAFED) और एनसीसीएफ (NCCF)
C. कपास निगम of इंडिया (CCI)
D. जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (JCI)

उत्तर: B. नैफेड (NAFED) और एनसीसीएफ (NCCF)

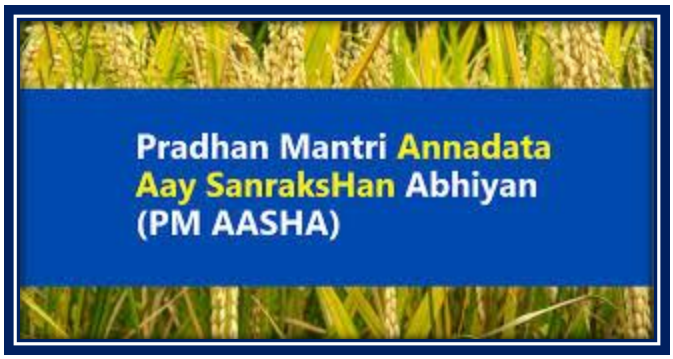

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
www.resultmitra.com
9235313184, 9235440806

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) भारत में किसानों की आय की रक्षा और कृषि स्थिरता सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण साधन है।"

इस संदर्भ में, **कोपरा मूल्य निर्धारण के माध्यम से नारियल किसानों को समर्थन देने में MSP की भूमिका** की विवेचना कीजिए। साथ ही, **कोपरा की खेती से जुड़ी चुनौतियों** पर चर्चा करते हुए **इस क्षेत्र को सशक्त बनाने हेतु नीतिगत उपाय** सुझाइए। *(250 शब्द)*

IAS-PCS Institute

Result Mitra

रिजल्ट का साथी

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806